भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110001
फोन: 011-23005700, फैक्स: 011-23005787

09 अप्रैल, 2016

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा गुवाहाटी, असम में की गई प्रेस वार्ता के मुख्य बिंदु

हमारा मकसद असम में बस सरकार बनाना नहीं है, हमारा मकसद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ - सबका विकास' के रास्ते पर चलते हुए असम का सर्वांगीण विकास है: अमित शाह

****

बांग्लादेशी घुसपैठ असम के युवाओं के रोजगार, उनके प्रगति की संभावनाएं और असम के लोक संस्कृति के विकास के लिए भी ख़तरा है: अमित शाह

****

असम में भाजपा की अगुआई में एनडीए की सरकार बनते ही बांग्लादेश के साथ लगनेवाली असम की सीमा को सील कर दिया जाएगा, साथ ही नेशनल सिटिजन रजिस्टर पर भी काम तेज गति से शुरू किया जाएगा: अमित शाह

****

हम असम को घुसपैठ से पूर्ण रूप से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं: अमित शाह
हमने बार-बार कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी से असम में होनेवाली घुसपैठ पर अपना स्टैंड क्लियर करने को कहा है लेकिन वे मौन हैं

****

बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस का मौन कई सवाल खड़े करता है: अमित शाह

****

अक्टूबर, 2013 में तरुण गोगोई जी ने एक व्हाइट पेपर जारी किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि असम में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठिया नहीं है, इससे बड़ी हास्यास्पद बात क्या हो सकती है: अमित शाह

****

कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोटबैंक मानती है और वह अपनी इसी छुद्र राजनीति के सहारे असम में चुनाव जीतना चाहती है: अमित शाह

****

देश के पश्चिमी हिस्से से घुसपैठ की समस्या ख़त्म हो चुकी है क्योंकि ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं: अमित शाह

****

असम के विकास के लिए केंद्र सरकार लाखों करोड़ों रुपये राज्य सरकार को भेजती है लेकिन सारा पैसा राज्य की जनता के विकास के बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है: अमित शाह

****

हमने अपने विजन डॉक्युमेंट में असम के विकास की रूपरेखा खींची है और इसके अनुरूप ही असम के विकास के लिए हम कृतसंकल्पित हैं: अमित शाह

****

असम की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है और मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं: अमित शाह

****

राज्य में हमारी सरकार बनने के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों की जांच की जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी: अमित शाह

****

असम में हमारा चुनाव अभियान सफल रहा है, हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि असम में निश्चित रूप से भाजपा गठबंधन की सरकार बनने वाली है: अमित शाह

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह ने आज, शनिवार को गुवाहाटी, असम में प्रेस वार्ता की और असम की बदहाली के लिए बांग्लादेश से होनेवाली अवैध घुसपैठ को एक बड़ा कारण मानते हुए कांग्रेस के 15 वर्षों के भ्रष्टाचार और कुशासन पर जमकर प्रहार किया। साथ ही, उन्होंने राज्य की जनता से असम के विकास के लिए तथा राज्य को बांग्लादेशी घुसपैठ एवं भ्रष्टाचार से पूर्ण रूप से मुक्ति दिलाने के लिए प्रदेश में श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **हमारा गठबंधन असम के विकास के लिए है**। उन्होंने कहा कि **हमारा मकसद राज्य में बस सरकार बनाना नहीं है, हमारा मकसद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ - सबका विकास' के रास्ते पर चलते हुए असम का सर्वांगीण विकास है।** उन्होंने कहा कि **हम असम की सभी जन-जातियों के जीवन के उत्थान के लिए कटिबद्ध हैं।**

उन्होंने कहा कि असम का सबसे महत्त्वपूर्ण और गम्भीर मुद्दा है - बांग्लादेश से राज्य में होनेवाली अवैध घुसपैठ और इसपर जोर देते हुए हमने अपने विजन डॉक्युमेंट में इस समस्या के पूर्ण समाधान का वादा किया है। उन्होंने कहा कि **बांग्लादेशी घुसपैठ राज्य के युवाओं के रोजगार, उनके प्रगति की संभावनाएं और असम के लोक संस्कृति के विकास के लिए भी ख़तरा है।** उन्होंने

राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि **राज्य में भाजपा की अगुआई में एनडीए की सरकार बनते ही बांग्लादेश के साथ लगनेवाली असम की सीमा को सील कर दिया जाएगा, साथ ही नेशनल सिटिजन रजिस्टर पर भी काम तेज गति से शुरू किया जाएगा।** उन्होंने कहा कि **हम असम को घुसपैठ से पूर्ण रूप से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।** श्री शाह ने कहा कि **हमने बार-बार कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के साथ-साथ कांग्रेस के सभी नेताओं से असम में होनेवाली घुसपैठ पर अपना स्टैंड क्लियर करने को कहा है, अपनी नीतियां स्पष्ट करने को कहा है ताकि राज्य की जनता आसानी से इस मुद्दे पर निर्णय ले सके लेकिन वे मौन हैं।** उन्होंने कहा कि **इस मुद्दे पर कांग्रेस का मौन कई सवाल खड़े करता है।** तरुण गोगोई को घुसपैठ के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए श्री शाह ने कहा कि **अक्टूबर, 2013 में तरुण गोगोई जी ने एक व्हाइट पेपर जारी किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि असम में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठिया नहीं है, इससे बड़ी हास्यास्पद बात क्या हो सकती है, यह इस बात की ओर इशारा करती है कि कांग्रेस का इस गम्भीर समस्या के प्रति नजरिया क्या है।** उन्होंने कहा कि **कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोटबैंक मानती है और वह अपनी इसी छुद्र राजनीति के सहारे असम में चुनाव जीतना चाहती है।**

असम की बांग्लादेश के साथ लगने वाली सीमा को सील करने पर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में श्री शाह ने कहा, "असम को बांग्लादेशी घुसपैठ से पूर्ण निजात दिलाने के लिए राज्य की बांग्लादेश से लगनेवाली सीमा को सील करने में अब कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि केंद्र की सत्ता में आते ही हमने वर्षों से लंबित बांग्लादेश सीमा समझौता को शांतिपूर्वक हल कर लिया है।" श्री शाह ने कहा कि **देश के पश्चिमी हिस्से से घुसपैठ की समस्या ख़त्म हो चुकी है क्योंकि ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं।** उन्होंने जोर देते हुए कहा कि **यदि वहां भी कांग्रेस की सरकार होती तो घुसपैठ की समस्या कभी भी ख़त्म नहीं हो सकती थी।** उन्होंने कहा कि **असम को एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो घुसपैठ पर पूर्ण रूप से विराम लगा सके, पहले से आ चुके घुसपैठियों की पहचान कर कानूनी तरीके से उसे वापस भेज सके, साथ ही असम को विकास के पथ पर अग्रसर कर सके और ऐसा केवल भाजपा गठबंधन की ही सरकार कर सकती है।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि असम में 15 वर्षों से कांग्रेस की सरकार है, 10 वर्षों तक केंद्र में कांग्रेस-नीत यूपीए की सरकार रही, असम से ही 10 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे लेकिन असम विकास की दौड़ में काफी पीछे है, आखिर असम की इस बदहाली का जिम्मेवार कौन है? उन्होंने कहा कि इन 15 सालों में देश विकास के क्षेत्र में कहाँ से कहाँ पहुँच गया, कई राज्य विकास की नई कहानियां लिख रहे हैं, भाजपा शासित राज्यों ने विकास का नया मानदंड स्थापित किया है लेकिन असम में अभी भी एक करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं, लगभग 42% आबादी के पास पीने का शुद्ध पानी नहीं है, एक तिहाई से ज्यादा घर आज भी बिजली की सुविधा से महरूम है, बेरोजगारी चरम सीमा पर है, स्वास्थ्य और शिक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं है। श्री शाह ने कहा कि **असम के विकास के लिए केंद्र सरकार लाखों करोड़ों रुपये राज्य सरकार को भेजती है लेकिन सारा पैसा राज्य की जनता के विकास के बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।** उन्होंने कहा कि **असम की तरुण गोगोई सरकार तो आधे से अधिक परियोजनाओं की वर्क कम्प्लीशन रिपोर्ट तक केंद्र को भेज नहीं पाती, ऐसे में असम की**

वर्तमान कांग्रेस सरकार से असम के विकास की आशा रखना ही व्यर्थ है। श्री शाह ने कहा कि **हमने अपने विजन डॉक्युमेंट में असम के विकास की रूपरेखा खींची है और इसके अनुरूप ही असम के विकास के लिए हम कृतसंकल्पित हैं।**

श्री शाह ने कहा कि **राज्य में हमारी सरकार बनने के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों की जांच की जाएगी।** तरुण गोगोई सरकार पर करारा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि **राज्य सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है और मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।** उन्होंने कहा कि **ऐसे में उनके द्वारा भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाना पूरी तरह से बेबुनियाद है, हास्यास्पद है और उनकी नकारात्मक मानसिकता का द्योतक है।** उन्होंने कहा कि **सारे चिटफंड घोटालों की जांच सीबीआई को सौंपी जाएगी, साथ ही राज्य सरकार भी अपने स्तर पर इसकी जांच करेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।** उन्होंने कहा कि **हम असम को एक भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **केंद्र में जब-जब भारतीय जनता पार्टी की सरकारें रहीं है, हमने पूर्वोत्तर के विकास पर अपना ध्यान फोकस किया है।** उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर के विकास के लिए शुरू की गई कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि हमने बजट का एक बड़ा हिस्सा पूर्वोत्तर राज्यों की रेल और सड़क कनेक्टिविटी के लिए आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के शासनकाल में भाजपा ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए एक नया मंत्रालय गठित किया, हमने दिल्ली में पूर्वोत्तर के छात्रों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किये हैं, साथ ही मृदा के क्षरण और बाढ़ नियंत्रण के लिए कई उपायों को अमलीजामा पहनाकर उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **असम में हमारा चुनाव अभियान सफल रहा है**, हमने लगभग 415 छोटी-बड़ी सभाएं की हैं और **हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि असम में निश्चित रूप से भाजपा गठबंधन की सरकार बनने वाली है।** श्री शाह ने कहा, "मैं यहां असम की जनता से निवेदन करने आया हूँ कि आप असम में एक निर्णायक एवं मजबूत सरकार का गठन करें और दो तिहाई बहुमत के साथ राज्य में श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में भाजपा की अगुआई वाली एनडीए की सरकार बनाएं। **मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि असम देश के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा और विकास की एक नई इबारत लिखने में कामयाब होगा।"**

(इंजी. अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव